


भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 196] नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 26, 1974/वैशाख 6, 1896

No. 195] NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 26, 1974/VAISAKHA 6, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 26th April 1974

S.O. 265(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 1401, dated the 5th May, 1966, read with the Orders of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade Nos. S.O. 1755, dated the 27th April, 1971 and S.O. 304(E), dated the 20th April, 1972, and the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No. S.O. 259(E), dated the 3rd May, 1973, the management of the whole of the industrial undertaking known as Sri Bharathi Mills Ltd., Pondicherry, had been taken over by the Authorised Controller referred to in the Order first mentioned above for a period up to and inclusive of the 4th May, 1974;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period of one year;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order first mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 4th May, 1975.

[No. F. 28013/29/74-NTC.]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 26 अप्रैल, 1974

का० आ० 265(अ).—यतः श्री भारती मिल्स लिमिटेड पांडीचेरी के नाम से ज्ञात समस्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध तन्त्र भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार मंत्रालय के आदेश संख्या का० आ० 1755 तारीख 27 अप्रैल, 1971 और का० आ० 304(ड) तारीख 20 अप्रैल, 1972 और भारत सरकार के औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश संख्या का० आ० 259(ड) तारीख 3 मई, 1973 के साथ पठित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश संख्या का० आ० 1401 तारीख 5 मई 1966 के आदेश द्वारा ऐसे प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा 4 मई, 1974 जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है; की अवधि तक के लिए ग्रहण कर लिया गया है जिसे ऊपर अन्त में वर्णित आदेश में निर्दिष्ट किया गया है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोक हित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध तन्त्र उक्त प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा एक वर्ष की और अवधि के लिए चालू रहना चाहिए ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18फ की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते निदेश देती है कि ऊपर अन्त में वर्णित आदेश का प्रभाव 4 मई, 1975 तक, जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, की और अवधि के लिए चालू रहेगी ।

[सं० का० 28013/29/74—एन० टी० सी०]

डी० के० भक्सेना, संयुक्त सचिव ।